दैनिक योजना

इकाई: एक पाठः बारिश कैसे मिली ?

अधिगम उद्देश्य :-

चित्र कहानी पढ़कर विवरण तैयार करना ।
बारिश से संबंधित कोलैश तैयार करना ।
चित्र पहेली बुझाना ।

अधिगम गतिविधियाँ :-

वार्तालाप पढकर आशय समझना ।
प्रतिक्रिया प्रश्नों के उत्तर देना ।
नए शब्दों और जानवरों के नाम से परिचित होना ।

आशय/ अवधारणाएँ :-

चित्र कहानी की भाषा तथा चित्रण रोचक है।
पोस्टर के ज़रिए संदेशों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत कर सकते हैं।
कोलैश आशयों को सृजनात्मक ढंग से प्रस्तुत करने का माध्यम है।
मूल्य और मनोभावः प्राकृतिक संपदाओं का सही इस्तेमाल करना।

समयः ९ कालांश
सामग्रीः चित्र कहानी की वीडियो

प्रक्रिया :-

टीचर पूछती हैं।
हम बादल दानी से क्या माँग रहे थे ?
क्यों ?
अगर बारिश न मिली तो क्या होगा ?
इसका असर किन-किन पर पडेगा ?

HINDI ADHYAPAK MANCH

बच्चों की प्रतिक्रिया :-

पन्ना १६ देखने का निर्देश देती हैं। चित्र वाचन के बाद प्रश्न पूछती हैं।

चित्र में कौन-कौन हैं ?

बंदर क्यों दुखी होगा ?

वैयक्तिक वाचन का निर्देश (शब्दकोश की सहायता से)

दलों में वाचन (टीचर की मदद)

टीचर पूछती हैं।

बगुले ने बंदर से क्या कहा ?

बगुला और बंदर किससे मिले ?

बारिश कहाँ मिलेगी ?

बादल की तलाश में कौन-कौन निकले ?

रास्ते में किन-किन से मिले ?

बूढा बबूल कहाँ रहता है ?

बादल कहाँ फँसा हुआ था ?

सब ने मिलकर क्या किया ?

प्रतिक्रिया :-

बादल काँटों में फँसा हुआ है। इसका मतलब क्या होगा ?

आजकल बादल की हालत क्या है ?

क्या, हमें बारिश समय-समय पर मिलती है ?

यहाँ काँट से मतलब क्या है ?

क्या बादल कॉटों में फँस सकता है ?

फिर क्यों ऐसा कहा गया है ?

HVDI ADHYAPAK MANCH

चर्चा :-

शिक्षण साथी के पन्ना सं ४५ के कुछ प्रश्न पूछती हैं।
बच्चों की प्रतिक्रियाओं को सूचीबद्ध करती हैं।
पूछती हैं-इन काँटों से बादल को बचाने केलिए हमें क्या करना चाहिए ?
पेड़ों को काटना नहीं है।
पेड़ लगाना है।
पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण रखना है।
टीचर पूछती हैं।
बारिश के आते समय प्रकृति में क्या-क्या बदलाव आते हैं?

प्रतिक्रिया :-

टीचर पदसूर्य की सहायता से सूचीबद्ध करती हैं।
खेत, ताल-तलैया, पेड़-पौधे, नदी
विवरण वैयक्तिक रूप से लिखने का अवसर देती हैं।

बच्चों की प्रस्तुति :-

दलों में परिमार्जन करने का अवसर देती है।
हर एक दल प्रस्तुत करते हैं।
अध्यापिका की प्रस्तुति।

जब हुई झमाझम बारिश

बारिश के आने पर धरती पर बहुत बदलाव आते हैं। चारों ओर हरियाली छा जाती है। तालाब, नदी और नाले पानी से भर जाते हैं। सारे खेत फसलों से भर जाते हैं । सब जीव-जंतु खुश हो जाते हैं। मोर नाचने लगते हैं। मेंढक क्रों... क्रों करने लगते हैं। चिड़ियाँ खुशी से नाचने लगती हैं। किसान खुश हो जाते हैं। बच्चे खुशी से गाने और नाचने लगते हैं।

HVDADHYAPAK MANCH

पोस्टर का वाचन करने का अवसर देती है। (पन्ना २२)
टीचर पूछती हैं।
यह चित्र हमसे क्या कह रहा है ?
चित्र में क्या-क्या है?
यहाँ बरसती हुई हर एक बूँद कहाँ जा रही है ?
यहाँ दिखाये हाथों के चित्र से क्या मतलब है ?
प्रतिक्रिया :-
पोस्टर का वाचन कराती है।
बूँद बूँद नहीं बरतेंगे,
तो बूँद बूँद को तरसेंगे।
बिना बेकार किए हर एक बूँद हम कैसे बरतेंगे ?
प्रतिक्रिया :-
पानी का पूरा का पूरा सही इस्तेमाल हम कैसे कर सकते हैं ?
प्रतिक्रिया :-
टीचर सूचीबद्ध करती हैं।
सीधे नल से न लेकर बाल्टी में भरके पानी का इस्तेमाल करना ।
नल खुला नहीं छोड़ना ।
टीचर पन्ना २३ दिखाकर प्रश्न पूछती हैं।
सूची तैयार करने का निर्देश देती है।
लिखने का निर्देश देती है।
सूची के अनुसार पहेली बुझाती है।
टीचर छात्रों से इस तरह मन पसंद विषय चुनकर वर्ग पहेली बनाने का निर्देश देती हैं।
पीछे स्तरवाले बच्चों केलिए
टीचर फिर पूछती हैं। बारिश के आने पर क्या-क्या भर जाते हैं?

HINDI ADHYAPAK MANCH

तालाब, नदी और नाले।

फिर क्या होते हैं ?

चारों ओर हरियाली छा जाती है।

किसका मन खुश हो जाते हैं?

सारे जीव-जंतुओं का मन खुश हो जाते हैं।

इसको ज़ोर देने टीचर ताल-लय से ये सुनाती हैं।

नदी-नाले भर जाते हैं,
पानी से भर जाते हैं।
चारों ओर हरियाली है,
हरियाली छा जाती है।
खुश होता है मन खुश होता है,
जीव-जंतुओं का मन खुश होता है।

ये बार बार सुनाने के बाद उन बच्चों केलिए छोटा-सा विवरण लिख देती हैं।

बारिश

बारिश के आने पर तालाब, नदी और नाले पानी से भर जाते हैं। चारों ओर हरियाली छा जाती है। सारे जीव-जंतुओं का मन खुश होता है।

सही मिलान करो

बगुला और बंदर	बादल	के पास	पहुँचे।
बूढा बबूल	बकरी		रहता है।
बारिश	बाडी		मिलेगी

अतिरिक्त वाचन :-

HINDI ADHYAPAK MANCH

बारिश का मौसम

बारिश जब आती है,
ढेरों खुशियाँ लाती है।
प्यासी धरती की प्यास बुझाती है,
धुलों का उड़ना बंद कर जाती है।
मिट्टी की भीनी सुगंध फैलाती है।
भीषण गर्मी से बचाती है,
शीतलता हमें दे जाती है।
चारों ओर हरियाली फैलाती है,
नदियों का पानी बढाती है,
तालाबों को भर जाती है।
मोरों को नचाती है,
पहाड़ों में फूल खिलाती है,
बीजों से नये पौधे उगाती हैं।

वर्षा ऋतु

आई रे आई वर्षा ऋतु आई
सूखी धरती को देखो, अब मुस्कुराई,
और पेड़-पौधों में नया जीवन भर आया।
आई रे आई वर्षा ऋतु आई।
आज किसान को देखो, कितने खुश मालूम पड़े,
ताल-तलैया नद को देखो, है तृप्त हो उठे।
सूखी धरती को देखो, अब मुस्कुराई,
आई रे आई वर्षा ऋतु आई ।

HINDI ADHYAPAK MANCH